ऐसा है श्याम का दर

ऐसा है श्याम का दर हर काम यहाँ होता,
मिलता है यहाँ वो ही किस्मत में जो न होता,
ऐसा है श्याम का दर ....

विश्वाश के धागे में भगवन भी बंध जाते,
भगतो के भावो में नारायण विक जाते,
आंसू का कतरा कोई बेकार नहीं होता,
ऐसा है श्याम का दर.....

दुनिया की किताबो में एक शब्द असंभव है,
सयम से समपर्ण से यहाँ सब कुछ संभव है,
टूटे दिल का पूरा हर मान यहाँ होता,
ऐसा है श्याम का दर.....

इस दर की वेश ता है यहाँ सारे बराबर है,
राजा हो रंक चाहे मिले सब को आदर है,
होती है सच की जीत इन्साफ यहाँ होता,
ऐसा है श्याम का दर .....

ना जाने कितनो को यहाँ जीवन दानी मिला,
बाबा के चहेतो को अद्भुत सामान मिला,
खोटा सिक्का मोहित सभी काम यहाँ होता,
ऐसा है श्याम का दर

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6404/title/esa-hai-shyam-ka-dar--har-kaam-yaha-hota-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |